1.1.3

List of Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development Courses with Course Contents

Colour Codes		
Name of the Subjects	Yellow	
Employability Contents	Green	
Entrepreneurship Contents	Light Blue	
Skill Development Contents	Pink	

List of Courses Focus on Employability/ Entrepreneurship/ Skill Development

Department : *HINDI*

Programme Name : *M.A.*

Academic Year : 2024-25

List of Courses Focus on Employability/ Entrepreneurship/Skill Development

Sr. No.	Course Code	Name of the Course
01.	HIPATO1	हिंदी भाषा
02.	HIPBTD1	भाषा विज्ञान
03.	HIPBTD2	जनसंचार एवं हिन्दी पत्रकारिता
04.	HIPCTD1	आधुनिक विमर्श
05.	HIPCTD4	नाटक, रंगमंच और हिन्दी सिनेमा
06.	HIPDTD1	प्रयोजनमूलक हिन्दी
07.	HIPDTT1	हिन्दी आलोचना

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

Scheme and Syllabus

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – I

S.N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	Core 1	HIPATT1	**हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल)**	4	1	-	30	70	100	**5**
2.	Core 2	HIPATT2	**आदिकालीन काव्य**	4	1	-	30	70	100	**5**
3.	Core 3	HIPATT3	**मध्यकालीन काव्य (भक्तिकाव्य एवं रीतिकाव्य)**	4	1	-	30	70	100	**5**
4.	Core 4	HIPATT4	**भारतीय काव्यशास्त्र**	4	1	-	30	70	100	**5**
5.	Open Elective	HIPATO1	**हिंदी भाषा**	2	-	-	30	70	100	**2**
			Grand Total	**18**	**4**	-	**150**	**350**	**500**	**22**

Total Credits :22 Total Contact Hours : 285 Total Marks : 500

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – II

S. N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	Core 1	HIPBTT1	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	4	1	-	30	70	100	5
2.	Core 2	HIPBTT2	कथेतर गद्य विधाएं	4	1	-	30	70	100	5
3.	Core 3	HIPBTT3	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	4	1	-	30	70	100	5
4.	Soft Core Elective (Internal Choice)	HIPBTD1	भाषा विज्ञान	4	1	-	30	70	100	5
		HIPBTD2	जनसंचार एवं हिंदी पत्रकारिता							
			Grand Total	**16**	**4**	-	**120**	**280**	**400**	**20**

Total Credits :20 Total Contact Hours : 260 Total Marks : 400

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment: Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)

स्नातकोत्तर हिंदी

सेमेस्टर – III

S. N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	Core 1	HIPCTT1	कथा साहित्य (उपन्यास एवं कहानी)	4	1	-	30	70	100	5
2.	Core 2	HIPCTT2	आधुनिक काव्य	4	1	-	30	70	100	5
3.	Soft Core Elective (Internal Choice)	HIPCTD1	आधुनिक विमर्श	4	1	-	30	70	100	5
		HIPCTD2	भारतीय साहित्य							
4.	Soft Core Elective (Internal Choice)	HIPCTD3	समकालीन कविता	4	1	-	30	70	100	5
		HIPCTD4	नाटक, रंगमंच और हिंदी सिनेमा							
			Grand Total	**16**	**4**	**-**	**120**	**280**	**400**	**20**

Total Credits :20 Total Contact Hours : 260 Total Marks : 400

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – IV

S.N.	Course	Course Code	Course Name	Periods			Scheme			Credits
				L	T	P	IA	ESE	Sub Total	
1.	Core 1	HIPDTT1	**हिंदी आलोचना**	4	1	-	30	70	100	**5**
2.	Soft Core Elective (Internal Choice)	HIPDTD1	**प्रयोजनमूलक हिंदी**	4	1	-	30	70	100	**5**
		HIPDTD2	**लोक-साहित्य**							
3.	Research Methodology	HIPDTT2	**शोध-प्रविधि**	2	-	-	30	70	100	**2**
4.	Dissertation/ Project Followed by Seminar 01	HIPDLD1	**लघु शोध-प्रबंध**	-	-	-	-	100	100	**6**
			Grand Total	**10**	**2**	-	**90**	**310**	**400**	**18**

Total Credits :18 Total Contact Hours : 230 Total Marks : 400

L : Lecture, T : Tutorial, P : Practical, IA : Internal Assessment, ESE : End Semester Exam

Internal Assessment : Two Class Test of 15 Marks each will be conducted.

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – I
प्रश्न पत्र– हिंदी भाषा (Open Elective)

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPATL1	**हिंदी भाषा**	2	-	-	2 Hours	30	70	100	2

Course Objective :

- हिंदी भाषा के तमाम पहलुओं से अवगत होना।
- भाषा कौशल क्षमता को प्रोत्साहित करना।
- देवनागरी लिपि और राजभाषा की समझ विकसित करना।
- भाषा के अखिल भारतीय स्वरुप का अध्ययन व जानकारी।
- हिंदी भाषा का समाज और साहित्य के अंतरसंबंध का अध्ययन करना।

Syllabus Content:

इकाई : 1

भाषा का उद्भव, विकास, भाषा की परिभाषा, स्वरुप, विशेषताएं

भाषा की प्रकृति एवं विविध रुप, भाषा और बोली में अंतर, भारतीय भाषा परिवार

इकाई : 2

राजभाषा, राष्ट्र भाषा, संपर्क भाषा के रुप में हिंदी, संविधान में हिंदी

संप्रेषण की अवधारणा और महत्व, सम्प्रेषण तकनीक

इकाई : 3

देवनागरी लिपि की विशेषताएं एवं सुधार के प्रयास, हिंदी का मानकीकरण

हिंदी की वर्ण-माला : स्वर एंव व्यंजन, वर्णों का उच्चारण स्थान, अघोष, सघोष, अल्पप्राण, महाप्राण

इकाई : 4

साहित्य की विधाएँ -

कहानी :

पुरस्कार : जयशंकर प्रसाद

बाजार में रामधन : कैलाश बनवासी

इकाई : 5

कविता :

जौहर (आरंभिक अंश- वंदना) : श्याम नारायण पाण्डेय

कामायनी (चिंता सर्ग) : जयशंकर प्रसाद

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा, हरदेव बाहरी
2. कामायनी : जयशंकर प्रसाद : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. नई कहानी : सन्दर्भ और प्रकृति : देवीशंकर अवस्थी : राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. एक दुनिया : समानांतर : राजेन्द्र यादव : राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. नयी कविता : एक साक्ष्य : रामस्वरुप चतुर्वेदी : लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – II
प्रश्न पत्र – चतुर्थ (वैकल्पिक)
भाषा विज्ञान

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPBTD2	**भाषा विज्ञान**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- बोलियों का समाजशास्त्रीय अध्ययन
- भाषा का सामाजिक महत्व
- देवनागरी लिपि के विकास-क्रम और वैज्ञानिकता का अध्ययन
- हिंदी की भाषिक संरचना का महत्व
- हिंदी भाषा के तमाम पहलुओं से अवगत होना।
- भाषा कौशल क्षमता को प्रोत्साहित करना।
- देवनागरी लिपि और राजभाषा की समझ विकसित करना।

Syllabus Content :

इकाई : 1

- ❖ भाषा विज्ञान - परिभाषा एवं स्वरुप, भाषा की उत्पत्ति
- ❖ भाषा विज्ञान की शाखाएँ
- ❖ ध्वनि विज्ञान : ध्वनियों का वर्गीकरण और विशेषताएं
- ❖ स्वनिम् विज्ञान एवं स्वनिम प्रक्रिया, ध्वनि परिवर्तन
- ❖ स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं

इकाई : 2

- ❖ रूप विज्ञान (पद विज्ञान) शब्द एवं रुप
- ❖ रुप, संरुप, रुपिमों का स्वरुप, रुपिमों का वर्गीकरण
- ❖ वाक्य विज्ञान, वाक्य रचना, वाक्य परिवर्तन, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं
- ❖ शब्दार्थ संबंध : अर्थ परिवर्तन के कारण

इकाई : 3

- ❖ प्राचीन एवं मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओं का अति संक्षिप्त परिचय
- ❖ अपभ्रंश, अवहट्ट तथा पुरानी हिन्दी की तुलनात्मक विशेषताएँ
- ❖ हिन्दी की उपभाषाओं का संक्षिप्त परिचय
- ❖ हिन्दी बोलियों की संक्षिप्त विशेषताएँ

इकाई : 4

- ❖ काव्य भाषा के रुप में अवधी, ब्रज, खड़ीबोली का विकास
- ❖ मानक हिन्दी का व्याकरण

इकाई : 5

- ❖ देवनागरी लिपि का ऐतिहासिक विकास क्रम

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

- ❖ देवनागरी लिपि का मानकीकरण
- ❖ देवनागरी लिपि वैज्ञानिकता एवं व्यावहारिकता

सहायक ग्रंथ :

1. 'हिंदी भाषा' : हरदेव बाहरी, अभिव्यक्ति पब्लिकेशन, जोधपुर।
2. 'भाषा विज्ञान' : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद।
3. 'भाषा विज्ञान की भूमिका' : देवेंद्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
4. 'हिंदी शब्दानुशासन' : किशोरीदास वाजपेई, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी ।
5. 'भारत की भाषा समस्या' : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. 'हिंदी व्याकरण' : कामता प्रसाद गुरु, पराग प्रकाशन, दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- भाषा एक सामाजिक और अर्जित संपत्ति है। भाषा के विकास में सामाजिक विकास एक मुख्य कारक होता है।
- ध्वनि परिवर्तन, अर्थ परिवर्तन आदि भाषा के नाना रूपों में होने वाले परिवर्तनों के मूल में सामाजिक, भौगोलिक और सांस्कृतिक कारण होते हैं।
- बोलियों के सामाजिक साहित्यिक योगदान में राजनीति आदि की भूमिका उसके स्वरुप का व्यापक अध्ययन इस प्रश्न पत्र की विशेषता है।
- हिन्दी भाषी प्रदेशों में उच्च शिक्षाप्राप्त विद्यार्थियों से न्यूनतम अपेक्षा है कि वे अपनी भाषा की सामान्य विशेषताओं, लिपि और उसकी संवैधानिक स्थिति आदि के साथ-साथ उसके साहित्य से उनका सामान्य परिचय जरुर हो।
- इसे ही ध्यान में रखकर यह आधार पाठ्यक्रम तैयार किया गया है, जिसकी पूर्ति इस पाठ्यक्रम से संभव हो सकेगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	2	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	1	3	1	2
CO 4	3	2	3	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – III
प्रश्न पत्र – चतुर्थ(वैकल्पिक)
जनसंचार एवं हिंदी पत्रकारिता

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPCTD3	**जनसंचार एवं हिंदी पत्रकारिता**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता और स्वरुप से परिचित करना ।
- हिंदी की साहित्यिक पत्रकारिता के क्रमिक विकास से परिचित कराना ।
- संचार क्रान्ति के दौर में मीडिया (प्रिन्ट, इलेक्ट्रानिक, सोशल मीडिया आदि) से परिचित कराना ।
- वैश्वीकरण, बाजारवाद, विकास की अवधारणा, औद्योगिकीकरण आदि प्रमुख मुद्दों के बदलते स्वरुप का विश्लेषण करना ।

Syllabus Content :

इकाई : 1

पत्रकारिता एवं जनसंचार
पत्रकारिता की अवधारणा और उसके विविध रूप
जनसंचार के रूप में पत्रकारिता
हिन्दी की साहित्यिक पत्रकारिता

इकाई 2

हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास
हिन्दी पत्रकारिता की विकास-यात्रा
स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की हिन्दी पत्रकारिता
स्वतंत्रता आंदोलन, हिन्दी पत्रकारिता और प्रतिबंधन
हिन्दी की प्रमुख पत्रिकाएँ, संपादक एवं पत्रकार-
सरस्वती, प्रताप, माधुरी, चाँद, हंस, कर्मवीर, कल्पना, प्रतीक, धर्मयुग, पहल, नया ज्ञानदोय, आलोचना, प्रतिमान, अकार ।
महावीर प्रसाद द्विवेदी, गणेशशंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी, अज्ञेय, रघुवीर सहाय, धर्मवीर भारती, राजेंद्र माथुर ।

इकाई 3

पत्रकारिता अभिव्यक्ति, विधि, प्रेस संबंधी प्रमुख कानून और आचार संहिता
भारतीय संविधान में प्रदत्त मौलिक अधिकार
मानवाधिकार एवं सूचना का अधिकार
लोकतन्त्र में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व
प्रेस से संबन्धित प्रमुख संस्थाएं

इकाई 4

व्यावहारिक पत्रकारिता
समाचार निर्माण समाचार के विभिन्न स्रोत, समाचार संकलन तथा लेखन
शीर्षकीकरण, आमुख और समाचार प्रस्तुति, कैप्शन, प्रूफ संशोधन, ले आउट एवं पृष्ठ सज्जा
समाचार पत्रों में विभिन्न स्तंभों की योजना, समाचार की भाषा
समपादकीय विभाग, उसके विविध अंग और कर्तव्य

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

संवाददाता की अर्हता, उनकी श्रेणियाँ, कार्य पद्धति एवं नैतिक उत्तरदायित्व ।

इकाई : 5

पत्रकारिताः सृजनात्मक लेखन एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया
पत्रकारिता से संबन्धित लेखन प्रविधियाँ संपादकीय, रिपोर्ट, फीचर, साक्षात्कार, स्तम्भ लेखन, विज्ञापन लेखन।
इलेक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता रेडियो, टेलीविजन, इंटरनेट की पत्रकारिता।
पत्रकारिता और राष्ट्रीय महत्व के मुद्दे : वैश्वीकरण, बाजारवाद, विकास की अवधारणा, लोकतन्त्र, राष्ट्रवाद, धर्मनिरपेक्षता आदि।
प्रिन्ट मीडिया का बदलता स्वरुप ।
पत्रकारिता का प्रतिपक्ष, सोशल मीडिया : दशा और दिशा ।

सहायक ग्रंथ :

1. हिंदी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली।
2. संचार माध्यमों का वर्ग चरित्र : रेमण्ड विलियम्स, ग्रंथ शिल्पी, (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड, दिल्ली।
3. साक्षात्कार : सिद्धांत और व्यवहार : रामशरण जोशी, हिंदी बुक सेंटर, हैदराबाद।
4. संस्कृति विकास और संचार क्रांति : पी. सी. जोशी, ग्रन्थ शिल्पी, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- आधुनिक युग सूचना क्रान्ति तथा संचार प्रौद्योगिकी के रुप में जाना जा रहा है।
- हिंदी पत्रकारिता का इतिहास स्वतंत्रता आंदोलन में उसकी भूमिका, उसका स्वरूप, उसकी चुनौतियां तथा आज के युग में उसकी भूमिका का अध्ययन इस पाठ्यक्रम के माध्यम से संभव हो सकेगा।
- यह पाठ्यक्रम वैकल्पिक विषय के रूप में मीडिया के नाना रुपों में हिंदी की संभावना के मद्देनजर तैयार किया गया है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – III
प्रश्न पत्र – तृतीय(वैकल्पिक)
आधुनिक विमर्श

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPCTD1	आधुनिक विमर्श	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- 21 वीं सदी के साहित्य से परिचय कराना ।
- उत्तर आधुनिकता की साहित्यिक पृष्ठभूमि का विश्लेषण करना ।
- साहित्य के प्रमुख विमर्शों का अध्ययन कराना ।
- स्त्रीवादी आंदोलनों के अंतर्वस्तु व विचारधारा से परिचित कराना ।
- साहित्य को देखने की एक नई दृष्टि विकसित कराना ।

Syllabus Content :

इकाई : 1

विमर्श : सिद्धांत एवं स्वरुप
स्त्रीवाद एवं स्त्री विमर्श: सिद्धान्त और अवधारणाएँ, स्त्रीवादऔर जेण्डर-विमर्श
स्त्रीमुक्ति आंदोलन / स्त्रीवादी आंदोलन: ऐतिहासिक विकास, प्रमुख मुद्दे
प्रगतिशील साहित्य में स्त्री-मुक्ति का प्रश्न एवं अवधारणा
स्त्रीवादी / स्त्रीमुक्ति की समकालीन (उत्तर-आधुनिक, उत्तर-औपनिवेशिक) अवधारणाएँ

इकाई : 2

मध्यकालीन साहित्य एवं नवजागरणकालीन साहित्य में स्त्री-प्रश्न और स्त्री लेखन
स्त्री पत्रकारिता - प्रमुख पत्रिकाएँ, मुख्य प्रश्न, आधुनिक स्त्री वैचारिकी का निर्माण
समकालीन लेखन में स्त्री की उपस्थिति और उनका साहित्य
कविता में स्त्री और स्त्री की कविता : अंतर्वस्तु और विचारधारा, स्त्रीवादी कविता की काव्यभाषा, मुहावरा, लेकगीतों में स्त्री
निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना
- हाकी खेलती लड़कियाँ : कात्यायनी
- आधा शहर : उषा प्रियंवदा
- श्रृंखला की कड़ियाँ : महादेवी वर्मा
- अन्या से अनन्या : प्रभा खेतान

इकाई : 3

दलित विमर्श : भाषा, वैचारिकी एवं सौन्दर्यशास्त्र
दलित विमर्श एवं साहित्य के वैचारिक व दार्शनिक स्रोत : उत्तर अम्बेडकर दलित चिंतन व प्रमुख संदर्भ बिन्दु
दलित साहित्य की अवधारणा एवं विकास की परम्परा, समाजशास्त्र, सौन्दर्य दृष्टि, अध्ययन और आलोचना
हिन्दी साहित्य में दलित निराला, प्रेमचंद, नागार्जुन और राहुल सांकृत्यायन का दलित विषयक लेखन
हिन्दी दलित कविता की पृष्ठभूमि : अस्मिता का संघर्ष, विषयवस्तु, इतिहास बोध, सौंदर्य दृष्टि और काव्य भाषा एवं शिल्प
दलित साहित्य एवं चिंतन में स्त्री और दलित स्त्री

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

ठाकुर का कुँआ : प्रेमचंद
सदियों का संताप : ओमप्रकाश वाल्मीकि
गुलामगिरी की प्रस्तावना : ज्योतिबा फुले
जूठन : ओमप्रकाश वाल्मीकि
टूटे पंखों से परवाज : सुमित्रा महरोल
हीरा डोम - अछूत की शिकायत

इकाई : 4

अदिवासी विमर्श : पृष्ठभूमि, आदिवासी संस्कृति और साहित्य की अवधारणा
आदिवासी भाषाओं का सामान्य परिचय
वचिकता : पुरखा साहित्य, आदिवासी साहित्य को निर्मित करने वाले तत्व
आदिवासी लोक, आदिवासी दर्शन और साहित्य
हिन्दी साहित्य में आदिवासी समाज और संस्कृति की अभिव्यक्ति : प्रमुख आदिवासी विमर्शकार
निर्धारित पाठ : व्याख्या एवं आलोचना

कविताएं- वीणा (सुशीला सामद), पहाड़ के बच्चे (तेलसुला आओ), कथन शालवन के अंतिम शाल का (रामदयाल मुंडा)
स्टेज (वाहरु सोनवने), एक और जनी का शिकार (ग्रेस कुजूर)
आघोषित उलगुलान (अनुज लुगुन), नदी, पहाड़ और बाजार (जसिंता केरकेट्टा)
धरती लहराएगी : एलिस एक्का
ग्लोबल गाँव के देवता : रेणेन्द्र

इकाई : 5

अन्य विमर्श : सामान्य परिचय एवं अवधारणा
किन्नर विमर्श, अल्पसंख्यक विमर्श, वृद्ध विमर्श, विकलांग विमर्श
विमर्श के वर्तमान संदर्भ

सहायक ग्रंथ :

1. कामरेड का कोट : सृंजय, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मिकि, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पाण्डेय, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. जाति व्यवस्था : सच्चिदानंद सिन्हा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. नारी प्रश्न : सरला माहेश्वरी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. स्त्री विमर्श भारतीय परिप्रेक्ष्य : डॉ. के. एम. मालती, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. बाजार के बीच : बाजार के खिलाफ : प्रभा खेतान, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. आधुनिकता के आईने में दलित : सं. अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. सामाजिक न्याय और दलित साहित्य : सं. श्योराज सिंह बैचेन : वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- बीसवीं सदी के अंतिम दशक से विश्व स्तर पर शीतयुद्ध की समाप्ति, भूमंडलीकरण और बाजारवाद के वर्चस्व की वजह से साहित्य औरसमाज में उत्तर आधुनिक युग का प्रारंभ हुआ।
- साहित्य में सबाल्टर्न डिस्कोर्स की पृष्ठभूमि बननी शुरु हुई। जो अबतक हाशिये पर थे वे केंद्र बनने लगे।
- दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श आदि की वैचारिकी उसकी परंपरा आदि का अध्ययन इस प्रश्न पत्र की विशेषता है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – III
प्रश्न पत्र – चतुर्थ (वैकल्पिक)
नाटक, रंगमंच एवं हिंदी सिनेमा

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPCTD4	**नाटक, रंगमंच एवं हिंदी सिनेमा**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- हिंदी नाटकों के सभी प्रमुख तत्वों से परिचित कराना ।
- हिन्दी नाटक और रंगमंच पर आधुनिकता और पाश्चात्य प्रभाव का अध्ययन कराना ।
- स्वातंत्र्योत्तर रंग दृष्टि और स्वरुप से परिचित कराना ।
- नाटक और सिनेमा के अंतरसंबंधों का विश्लेषण करना ।
- नाटकों के माध्यम से सामाजिक संदर्भों का विश्लेषण करना ।

Syllabus Content:

इकाई : 1

हिन्दी नाटक और रंगमंच उद्भव और विकास
हिन्दी नाटक और रंगमंच : आधुनिकता और पाश्चात्य प्रभाव
हिंदी सिनेमा का इतिहास
एन.एस.डी. (राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय) की भूमिका, नुक्कड़ नाटक
नाटक और रंगमंच का अंतर्सम्बन्ध
नाटक और रंगमंच के तत्त्व, धाराएं और शैलियाँ (पारसी, यथार्थवादी, असंगत, परम्पराशील, लोकनाट्य, कहानी का रंगमंच)

इकाई : 2

स्वातंत्र्योत्तर रंग दृष्टि और स्वरुप
मोहन राकेश का नाट्य चिंतन और आषाढ़ का एक दिन (व्याख्या और आलोचना)
भारतेन्दु का रंग चिंतन और अंधेर नगरी
जयशंकर प्रसाद का नाट्य चिंतन और ध्रुवस्वामिनी
धर्मवीर भारती : 'अंधा युग' मिथक / इतिहास के माध्यम से (व्याख्या एवं आलोचना) समकालीन समय की व्यथा कथा

इकाई : 3

सिनेमा का बाजार और बाजार में सिनेमा
सिनेमा और समाज - स्त्री पक्ष, दलित पक्ष, आदिवासी पक्ष
समानांतर सिनेमा की अवधारणा, लघु वृत्तचित्र
सिनेमा का बदलता स्वरुप : वस्तु और विन्यास

इकाई : 4

पटकथा लेखन, संवाद संयोजन, सिनेमा समीक्षा
स्थानीय लोककलाओं पर आधारित संक्षिप्त वृत्तचित्र प्रस्तुति (विद्यार्थियों द्वारा)

इकाई : 5

साहित्य की विविध विधाओं की कार्यशाला

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

फिल्म समीक्षा - रजनीगंधा, गाइड, मुगले आज़म, तीसरी कसम, मोहल्ला अस्सी और 'पंचायत'(वेब सीरीज)

सहायक ग्रंथ :

1. भारतीय सिनेमा का इतिहास : अनिल भार्गव, सिने साहित्य प्रकाशन, जयपुर।
2. हिंदी सिनेमा आदि से अनंत : प्रह्लाद अग्रवाल, साहित्य भंडार, इलाहाबाद।
3. पटकथा लेखन : मनोहर श्याम जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. कथा-पटकथा : मन्नू भंडारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
5. सिनेमा और संस्कृति : राही मासूम रजा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
6. सिनेमा समय : विष्णु खरे, अनन्या प्रकाशन, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes :

- सिनेमा नाटक साहित्य तथा कला का आदि और अधुनातन स्वरुप है।
- सिनेमा के रुप में आज इसका बहुत बड़ा बाजार भी है।
- हिंदी साहित्य की बहुत बड़ी व्यावसायिक संभावना के रूप में स्क्रिप्ट राइटिंग का एक क्षेत्र इस माध्यम से उद्घाटित हो रहा है। इन सबके दृष्टिगत यह प्रश्नपत्र तैयार किया गया है।
- प्रस्तुत प्रश्न-पत्र भारतीय ग्रामीण संरचना, उसकी सामुदायिकता, व्यक्तिवाद का उदय, स्वातंत्रयोत्तर भारत के समाज की विभिन्न हलचलों, आकांक्षाओं को समझने की दृष्टि से किसी समाजशास्त्री या इतिहासकार की तुलना में ज्यादा महत्वपूर्ण है।
- समाज को साहित्य की दृष्टि से देखने की समझ बढ़ेगी ।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – I
प्रश्न पत्र– प्रथम (कोर प्रश्न-पत्र)
हिंदी आलोचना

Course Code	Course Name	Periods			Duratio	Scheme			Credits
		L	T	P	n	IA	ESE	Sub Total	
HIPATT2	**हिंदी आलोचना**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- आलोचना विधा के सभी पहलुओं से परिचित कराना ।
- प्रगतिवादी आलोचनाओं और उनके मुख्य स्थापनाओं और आलोचकों से परिचित कराना ।
- नयी कविता आन्दोलन व नयी कहानी आन्दोलन का आलोचनात्मक विश्लेषण करना ।
- उत्तरवादी सिद्धान्त और आलोचना के नए सिद्धांतों से परिचित कराना ।
- रचना को देखने की नई दृष्टियों से परिचित कराना ।
- साहित्य के पाठ की रणनीतियाँ और पुनर्पाठ के तमाम पहलुओं से परिचित कराना ।

Syllabus Content:

इकाई : 1

हिन्दी आलोचना आरंभिक परिदृश्य
द्विवेदी युग लाला भगवानदीन महावीर प्रसाद द्विवेदी, मिश्र बन्धु, कृष्णबिहारी मिश्र, पद्मसिंह शर्मा,

इकाई : 2

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना
शुक्लानुवर्ती और शुक्लोत्तर आलोचक : एक सामान्य परिचय
शुक्लानुवर्ती आलोचक : डॉ0 नगेन्द्र, विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
शुक्लोत्तर आलोचक : नन्ददुलारे बाजपेयी, हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई : 3

प्रगतिवादी आलोचना : मुख्य स्थापनाएं
प्रगतिशील लेखक संघ और उसका घोषणा पत्र
शिवदान सिंह चौहान, राहुल सांकृत्यायन, अमृत राय
रामविलास शर्मा, नामवर सिंह, मुक्तिबोध, मैनेजर पाण्डेय

इकाई : 4

नयी कविता आन्दोलन, नयी कहानी आन्दोलन : सामान्य परिचय
प्रमुख आलोचक : अज्ञेय, रामस्वरूप चतुर्वेदी, विजयदेवनारायण साही, लक्ष्मीकान्त वर्मा, मलयज, देवी शंकर अवस्थी

इकाई : 5

समकालीन हिंदी आलोचना
स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
पाठ की रणनीतियाँ और पुनर्पाठ
उत्तरवादी सिद्धान्त और आलोचना
प्रमुख आलोचक : निर्मला जैन, रोहिणी अग्रवाल, माधव हाड़ा, वंदना टेटे, डॉ. धर्मवीर

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

दलित, स्त्री एवं आदिवासी विमर्श और हिन्दी आलोचना

सन्दर्भ-सूची

1. विश्वनाथ त्रिपाठी, हिंदी आलोचना
2. रामविलास शर्मा, आचार्य रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना
3. निर्मला जैन, हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी
4. नामवर सिंह, इतिहास और आलोचना
5. देवीशंकर अवस्थी, आलोचना का द्वंद्व
6. शिवकुमार मिश्र, यथार्थवाद
7. रमेश कुमार, नवजागरण और हिंदी आलोचना
8. शिवकुमार मिश्र, हिंदी आलोचना की परम्परा और रामचंद्र शुक्ल
9. कबीर के आलोचक, डॉ. धर्मवीर
10. आलोचना के सिद्धांत, शिवदान सिंह चौहान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी, नन्द दुलारे बाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Course Learning Outcomes :

- हिंदी आलोचकों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी आलोचना की नयी-नयी धाराएं स्पष्ट हो सकेंगी।
- साहित्य का चिंतन और समाज एक दूसरे के सापेक्ष दिखाई देते हैं। इस पक्ष को स्पष्ट किया जा सकेगा।
- साहित्य के भीतर समाज को देखना और उसे परम्परागत दृष्टियों से रेखांकित करने की प्रवृत्ति विकसित होगी।
- भाषा और साहित्य को पढ़ने तथा उसके सामाजिक उपदेयों की समझ विकसित होगी।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	1	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	2	2	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

हिंदी विभाग
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
स्नातकोत्तर हिंदी
सेमेस्टर – III
प्रश्न पत्र – द्वितीय (वैकल्पिक)
प्रयोजनमूलकहिंदी

Course Code	Course Name	Periods			Duration	Scheme			Credits
		L	T	P		IA	ESE	Sub Total	
HIPCTD2	**प्रयोजनमूलक हिंदी**	4	1	-	5 Hours	30	70	100	5

Course Objective :

- बोलियों के समाजशास्त्रीय अध्ययन से परिचित कराना।
- भाषा के सामाजिक महत्व को स्पष्ट कराना।
- देवनागरी लिपि के विकास-क्रम और वैज्ञानिकता का अध्ययन
- भाषा कौशल क्षमता को प्रोत्साहित करना।
- भाषा कौशल क्षमता को प्रोत्साहित करना।
- भाषा के अखिल भारतीय स्वरुप का अध्ययन व जानकारी।
- हिंदी भाषा का समाज और साहित्य के अंतरसंबंध का अध्ययन करना।

Syllabus Content :

इकाई : 1

प्रयोजनमूलक हिंदी: अभिप्राय और परिव्याप्ति
प्रयोजनमूलक हिंदी का अर्थ
प्रयोजनमूलक हिंदी, बोलचाल की हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अंतर
प्रयोजनमूलक हिंदी के नामकरण की समस्या
प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध रूप
प्रयोजनमूलक हिंदी और राजभाषा से उसके सम्बन्ध
ई-लेखन के विविध आयाम : देवनागरी फाण्ट, यूनीकोड, राजभाषा-साफ्टवेयर

इकाई : 2

प्रयोजनमूलक हिंदी का व्यावहारिक स्वरुप
टिप्पणी : स्वरुप एवं प्रकार
संक्षेपण: अर्थ एवं प्रक्रिया
प्रतिवेदन : अर्थ एवं विशेषताएं
प्रारुपण : महत्व और विशेषताएं
कार्यालयी पत्र के प्रकार : शासकीय-अर्द्धसरकारी पत्र, कार्यालयी आदेश, ज्ञापन, पृष्ठांकन, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति एवं परिपत्र

इकाई : 3

कार्यालयी हिन्दी की प्रकृति और उसका प्रयोग
कार्यालयी हिन्दी अर्थ एवं प्रकृति
कार्यालयी हिन्दी बोलचाल की हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी से अंतर
कार्यालयी हिन्दी की विशेषताएं

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)

कार्यालयी हिन्दी की निर्माण प्रक्रिया
कार्यालयी हिन्दी की उपयोगिता एवं उसका महत्व

इकाई : 4

पारिभाषिक शब्दावली सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक परिचय
पारिभाषिक शब्दावली अभिप्राय और वर्गीकरण
पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत
पारिभाषिक शब्दावली अनुवाद की समस्याएं
प्रशासन और विधि संबंधी शब्दावली
वाणिज्य संबंधी शब्दावली (बैंक, बीमा)

इकाई : 5

अनुवाद : सिद्धान्त एवं व्यवहार
अनुवाद : अवधारणा और प्रक्रिया
हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका
कार्यालयी हिन्दी एवं अनुवाद
विज्ञापन में अनुवाद
वाणिज्य में अनुवाद

सहायक ग्रंथ :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : लक्ष्मीकान्त पाण्डेय, प्रमिला अवस्थी, आशीष प्रकाशन, कानपुर।
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ. रमेशचंद्र त्रिपाठी, अलका प्रकाशन, कानपुर।
4. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार : डॉ. चंद्रप्रकाश मिश्र, संजय प्रकाशन,नई दिल्ली।
5. मीडिया लेखन और सम्पादन कला : डॉ. गोविन्द प्रसाद, अनुपम पाण्डेय, डिस्कवरी पब्लिशिंग हॉउस, नई दिल्ली।
6. जनसंचार माध्यमों में हिन्दी : डॉ. चन्द्रकुमार, बी.के. तनेजा क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।

Course Learning Outcomes:

- सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त होने वाली शब्दावलियां परंपरागत हिंदी के व्यवहार में नहीं रही हैं ।
- इसके अलावा आज हिन्दी अनिवार्य रुप से बाजार तथा संचार माध्यमों की भाषा बनती जा रही है।
- इन सारी चुनौतियों को देखते हुए नये विभिन्न भाषाओं के प्रचलित शब्दभंडार को हिंदी भाषा के व्यवहार में अपनाते हुए उनका मानकीकरण इस पाठ्यक्रम की विशेषता है।
- यह प्रश्नपत्र कार्यालयों में हिंदी के प्रयोग से छात्रों को न सिर्फ परिचित कराता है, बल्कि उनके भीतर कार्यालयी हिंदी के रचनात्मक स्वरुप को विकसित करने की संभावना के लिए भी उपयोगी है ।
- भाषा के बनने में व्याकरण के उपसर्ग, प्रत्यय एवं अन्य अवयवों का ज्ञान, नवीन परिवर्तनों के शब्दों को गढ़ने और भाषा को प्रभावशाली रुप में ढालने में महत्त्वपूर्ण भूमिका है।

Course Outcome and their mapping with programme outcomes:

CO	PO						PSO					
	PO1	PO2	PO3	PO4	PO5	PO6	PSO1	PSO2	PSO3	PSO4	PSO5	PSO6
CO 1	3	2	2	3	2	3	3	2	3	2	3	1
CO 2	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 3	3	3	2	3	3	2	3	2	2	3	1	2
CO 4	3	1	1	2	3	3	2	3	2	3	3	3

Weightage: 1- Sightly, 2- Moderatly, 3- Strongly

अध्यक्ष / HOD
हिन्दी विभाग / Department of Hind
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय / G.G.V
बिलासपुर (छ.ग.) / Bilaspur (C.G.)